NORTH EX PUBLIC SCHOOL (Session 2020-21)
Class-VIII
Subject-Hindi
Chapter-4 (Hindi Grammar)
Worksheet-5

students I Hope all of you are healthy and are taking ample precautions for self and all your family members.

Note: before attempting the worksheet you must check the links given below Which will help you in doing the same correctly.

You can download the f or if you do not have facility to get printout then you ask your ward to copy the worksheet in a simple notebook and must do exercise and questions answers in the notebook.

You tube link: https://youtu.be/uyg77O-Go_M

4 उपसर्ग तथा प्रत्यय (Prefix and Suffix)

उपसर्ग

पढ़िए और समझिए।

आज अध्यापिका ने कक्षा में तीन बातें सिखाईं।

- किसी का अपमान मत करो।
- मेहनत करने से हर काम संभव होता है।
- दूसरों के अवगुण नहीं बल्कि गुणों को अपनाओ।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द मूल शब्दों में शब्दांश जोड़कर बने हैं। ये शब्दांश मूल शब्दों के पहले गए हैं। इनके जोड़ने से शब्दों में परिवर्तन आ गया। जैसे–

उपसर्ग		मूल शब्द	शब्द
अप	+	मान	अपमान
सम्	+	भव	संभव
अव	+	गुण	अवगुण

विशेष : इन शब्दांशों का स्वतंत्र रूप से वाक्यों में प्रयोग नहीं किया जा सकता।

> जो शब्दांश किसी मूल शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

हिंदी में पाँच प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग होता है।

1. संस्कृत के उपसर्ग
2. हिंदी के उपसर्ग
3. अरबी/फ़ारसी के उपसर्
4. उपसर्ग की तरह प्रयोग किए जाने वाले संस्कृत के अव्यय
5. अंग्रेज़ी के उपसर्ग

1. संस्कृत के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द रूप
अ	नहीं, अभाव	अचर, अमर, अजर, अधर्म
अन	नहीं, अभाव	अनादर, अनावश्यक, अनर्थ
अति	अधिक	अतिकाल, अतिरिक्त, अतिरेक, अति
अधि	ऊपर, श्रेष्ठ	अधिकृत, अधिनायक, अधिपति
अनु	पीछे, समान	अनुक्रम, अनुज, अनुकरण

उपसर्ग	अर्थ	शब्द रूप
अप	बुरा, हीन	अपयश, अपमान, अपहरण
अभि	सामने, ओर	अभिमत, अभिमान, अभिशाप
अव	बुरा, हीन	अवगुण, अवनति, अवतरण
आ	तक, रहित	आचरण, आजन्म, आमरण
उत्	श्रेष्ठ	उत्थान, उत्पन्न, उत्कंठा, उत्तम
उप	पास, समान	उपग्रह, उपदेश, उपसचिव, उपमंत्री
दुर्	बुरा, कठिन	दुर्बल, दुर्जन, दुर्दशा, दुर्गम
नि	नीचे, निषेध	निवास, निदान, निबंध
निर्	बिना	निर्बल, निर्धन, निर्जन, निर्दय
निस्	नहीं, रहित	निस्संदेह, निस्संतान, निष्पाप
परा	विपरीत, अनादर	पराजय, पराधीन, पराकाष्ठा
परि	आस-पास, चारों ओर	परिवर्तन, परिचय, परिक्रमा
प्र	अधिक, आगे	प्रचार, प्रयोग, प्रगति
वि	भिन्न, विशेष	विजय, विनाश, विवाद
सु	अच्छा, साथ	सुपुत्र, सुविचार, सुगम
स्व	अपना	स्वतंत्र, स्वदेश, स्वराज

2. हिंदी के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द रूप
अध	आधा	अधखिला, अधमरा, अधपका
अन	नहीं, अभाव	अनमोल, अनजान, अनपढ़, अनचाहा
उन	कम	उन्नीस, उनतीस, उनतालीस, उन्चास
कु	बुरा	कुपुत्र, कुविचार, कुमार्ग, कुख्यात
चौ	चार	चौराहा, चौमासा, चौपाया
दु	बुरा	दुबला, दुस्साहस, दुस्साध्य
नि	बिना, रहित	निकम्मा, निडर, निठल्ला
बिन	बिना, रहित	बिनकहे, बिनमाँगे
भर	पूरा, ठीक	भरपेट, भरमार, भरपूर
स	सहित, अच्छा	सरस, सपूत, सपरिवार

3. अरबी/फ़ारसी के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द रूप
बे	बिना	बेचैन, बेकसूर, बेईमान, बेचारा
बा	सहित	बाकायदा, बाअदब, बाइज्ज़त
बद	बुरा	बदमिजाज़, बदसूरत, बदनाम, बदकिस्मत
कम	थोड़ा/हीन	कमज़ोर, कमअक्ल, कमउम्र
खुश	अच्छा	खुशनसीब, खुशकिस्मत, खुशदिल
गैर	अलग, भिन्न	गैरकानूनी, गैरज़रूरी, गैरहाज़िर
ना	नहीं	नालायक, नादान, नासमझ, नाउम्मीद
ला	नहीं	लाइलाज, लापरवाह, लाज़वाब, लावारिस
हम	समान, साथ	हमउम्र, हमशक्ल, हमजोली, हमवतन
सर	मुख्य	सरताज, सरपंच, सरकार

4. उपसर्ग की तरह प्रयोग किए जाने वाले संस्कृत के अव्यय

उपसर्ग	अर्थ	शब्द रूप
अंतर	भीतरी	अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्जातीय, अंतर्देशीय
अत:	भीतरी	अंत:करण, अंत:पुर, अंतरात्मा
अध:	नीचे	अधोगति, अधोलिखित, अधोपतन
चिर	बहुत, देर	चिरकाल, चिरंजीवी, चिरायु, चिरस्थायी
पुरा	पहला, पुराना	पुरातत्व, पुरातन, पुरावस्तु
बहि:	बाहर	बहिर्मुख, बहिर्गमन, बहिष्कार
सत्	सच्चा	सत्कर्म, सज्जन, सत्संग, सद्धर्म
सह	साथ	सहपाठी, सहयोगी, सहकर्मी, सहमत
पुन:	फिर	पुनर्जन्म, पुनर्विचार, पुनर्निर्माण, पुनरागमन

5. अंग्रेज़ी के उपसर्ग

उपसर्ग	अर्थ	शब्द रूप
चीफ़	मुख्य, प्रधान	चीफ़-मिनिस्टर, चीफ़-कमिश्नर
असिस्टेंट	सहायक	असिस्टेंट-मैनेजर, असिस्टेंट-टीचर
जनरल	प्रधान	जनरल-मैनेजर, जनरल-सेक्रेटरी
सब	नीचे *(sub)*	सब-इंस्पेक्टर, सब-जज
हेड	प्रमुख, मुख्य	हेडमास्टर, हेडक्लर्क, हेडकैशियर
हाफ	आधा	हाफ-टिकट, हाफ-पेंट, हाफ-प्लेट

एक ही शब्द में दो उपसर्गों का प्रयोग

उपसर्ग	शब्द	शब्द रूप
अ + सु	रक्षित	असुरक्षित
अ + नि	यंत्रित	अनियंत्रित
निर् + आ	करण	निराकरण

प्रत्यय

नीचे लिखे शब्दों को ध्यान से पढ़िए तथा समझिए।

(क) सुंदरता	कठोरता	सरलता	सुगमता	राष्ट्रीयता
(ख) नेतृत्व	पशुत्व	व्यक्तित्व	अपनत्व	कवित्व
(ग) धनवान	गुणवान	ज्ञानवान	गाड़ीवान	सत्यवान
(घ) मालिन	धोबिन	सुनारिन	लुहारिन	कुम्हारिन

ऊपर लिखे सभी शब्दों में आपने देखा कि 'क' वर्ग के सभी शब्दों में ता, 'ख' वर्ग के सभी शब्दों में त्व, 'ग' वर्ग के सभी शब्दों में वान तथा 'घ' वर्ग के सभी शब्दों में इन का प्रयोग किया गया है। 'ता', 'त्व', 'वान' तथा 'इन' ये सभी शब्दांश हैं जिन्हें शब्द के अंत में जोड़कर नए शब्द बनाए गए हैं।

> "जो शब्दांश किसी शब्द अथवा धातु के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।"

विशेष– • इनका स्वतंत्र प्रयोग नहीं किया जाता।
• इनके जुड़ने से शब्दों के अर्थ में परिवर्तन आ जाता है।

प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं–

1. कृत प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय

1. **कृत प्रत्यय :** जो प्रत्यय किसी क्रिया के धातुरूप में जुड़कर संज्ञा तथा विशेषण शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें कृत प्रत्यय कहते हैं। कृत प्रत्यय के मेल से बनने वाले शब्दों को कृदंत कहते हैं। उदाहरण–छलावा, लड़ाका, पढ़ाई, घबराहट आदि।

संज्ञा शब्द बनाने वाले कृत प्रत्यय

प्रत्यय	मूल शब्द	शब्द रूप
आई	लड़, पढ़, जोत, लिख	लड़ाई, पढ़ाई, जुताई, लिखाई
आन	उड़, लग, चढ़	उड़ान, लगान, चढ़ान
आप	मिल, वार्ता	मिलाप, वार्तालाप

प्रत्यय	मूल शब्द	शब्द रूप
आव	बह, फैल, कट	बहाव, फैलाव, कटाव
आवट	लिख, दिख, मिल, थक	लिखावट, दिखावट, मिलावट, थकावट
आवा	छल, दिख, बुला	छलावा, दिखावा, बुलावा
आहट	घबरा, चिल्ला, चिकना	घबराहट, चिल्लाहट, चिकनाहट
ई	बोल, हँस	बोली, हँसी
न	चल, ले-दे	चलन, लेन-देन
अक्कड़	भूल, पी, घूम	भुलक्कड़, पियक्कड़, घुमक्कड़
आऊ	बिक, टिक	बिकाऊ, टिकाऊ
इया	घट, बढ़	घटिया, बढ़िया
ऊ	खा, कमा, डाक	खाऊ, कमाऊ, डाकू
वाला	लिख, बोल, पढ़	लिखनेवाला, बोलनेवाला, पढ़नेवाला
हार	पालन, होना	पालनहार, होनहार
औना	बिछ, खेल	बिछौना, खिलौना
औती	कट, चुन	कटौती, चुनौती
आ	घेर, मेल	घेरा, मेला
आस	पी, मीठा	प्यास, मिठास
औता	समझ	समझौता
तव्य	कृ, वच्	कर्तव्य, वक्तव्य
आड़ी	खेल, पान	खिलाड़ी, पनवाड़ी
आक	तैर	तैराक

2. तद्धित प्रत्यय : जो शब्दांश संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण अथवा अव्यय के अंत में साथ जुड़कर अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

प्रत्यय	मूल शब्द	शब्द रूप
इक	इतिहास, दिन, मास	ऐतिहासिक, दैनिक, मासिक
आई	भला, चतुर, पंडित, बुरा	भलाई, चतुराई, पंडिताई, बुराई
ई	गरम, खेत, नरम	गरमी, खेती, नरमी
ता	प्रभु, गुरु, सरल	प्रभुता, गुरुता, सरलता
आपा	बूढ़ा, मोटा, पूजा	बुढ़ापा, मोटापा, पुजापा
आस	मीठा, खट्टा	मिठास, खटास

प्रत्यय	मूल शब्द	शब्द रूप
पन	बच्चा, पीला, अपना	बचपन, पीलापन, अपनापन
त्व	मनुष्य, पशु, अपना	मनुष्यत्व, पशुत्व, आपनत्व
नी	चाँद, नथ	चाँदनी, नथनी
इमा	गुरु, महा, लघु	गरिमा, महिमा, लघिमा
आर	लोहा, सोना	लुहार, सुनार
इया	रसोई, दुख, सुख	रसोइया, दुखिया, सुखिया
वाला	गाड़ी, घर, सब्ज़ी	गाड़ीवाला, घरवाला, सब्ज़ीवाला
कार	पत्र, साहित्य, रचना	पत्रकार, साहित्यकार, रचनाकार
एरा	मामा, चाचा, फूफा	ममेरा, चचेरा, फुफेरा
इत	आनंद, हर्ष, दुख	आनंदित, हर्षित, दुखित
ईय	भारत, राष्ट्र, जाति	भारतीय, राष्ट्रीय, जातीय
ईन	रंग, कुल, प्राची	रंगीन, कुलीन, प्राचीन
तर	कठिन, सरल, मृदु	कठिनतर, सरलतर, मृदुतर
तम	अधिक, न्यून, उच्च	अधिकतम, न्यूनतम, उच्चतम
मय	जल, दुख, दया	जलमय, दुखमय, दयामय
वान	ज्ञान, दया, धन	ज्ञानवान, दयावान, धनवान
वती	ज्ञान, दया, धन	ज्ञानवती, दयावती, धनवती
मती	श्री, बुद्धि	श्रीमती, बुद्धिमती
जनक	आशा, चिंता, सुविधा	आशाजनक, चिंताजनक, सुविधाजनक
पूर्वक	ध्यान, नियम	ध्यानपूर्वक, नियमपूर्वक
ईला	चमक, रस, बर्फ़	चमकीला, रसीला, बर्फ़ीला
आलु	झगड़ा, दया	झगड़ालू, दयालु
आऊ	पंडित, उपज	पंडिताऊ, उपजाऊ
आइन	पंडित, लाला, बाबू	पंडिताइन, ललाइन, बबुआइन
आनी	देवर, जेठ, सेठ	देवरानी, जेठानी, सेठानी

उर्दू (अरबी/फ़ारसी) के कुछ तद्धित प्रत्यय

प्रत्यय	मूल शब्द
आना	सालाना, रोज़ाना
नाक	खतरनाक, शर्मनाक, खौफ़नाक

प्रत्यय	मूल शब्द
मंद	अक्लमंद, जरूरतमंद
दार	ज़मींदार, दुकानदार, हिस्सेदार
इयत	इंसानियत, हैवानियत
दानी	चूहेदानी, मच्छरदानी
दान	कूड़ेदान, कलमदान, रोशनदान
पोश	मेज़पोश, तख़्तपोश
खोर	रिश्वतखोर, आदमखोर
गर	जादूगर, बाज़ीगर
साज़	घड़ीसाज़, जालसाज़, जिल्दसाज़

दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग

मूल शब्द	प्रत्यय	शब्द रूप
दया	आलु + ता	दयालुता
राष्ट्र	ईय + ता	राष्ट्रीयता
लोक	इक + ता	लौकिकता
बन	आवट + ई	बनावटी
अक्ल	मंद + ई	अक्लमंदी
बचपन	पन + आ	बचपना
भूत	इक + ता	भौतिकता
रंग	ईन + ई	रंगीनी

एक ही शब्द में उपसर्ग तथा प्रत्यय का प्रयोग

उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय	प्रत्यय
स	फल	ता	सफलता
सम्	मान	जनक	सम्मानजनक
परि	श्रम	ई	परिश्रमी
सु	गंध	इत	सुगंधित
पर	तंत्र	ता	परतंत्रता
वि	ज्ञान	इक	वैज्ञानिक

अब तक हमने सीखा।

- जो शब्दांश किसी शब्द के प्रारंभ में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
- जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
- उपसर्ग तथा प्रत्यय स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किए जाते हैं।
- क्रिया या धातु के अंत में जुड़कर संज्ञा या विशेषण का रूप देने वाले शब्दों को कृत प्रत्यय कहते हैं।
- तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय के अंत में लगाए जाते हैं।

अभ्यास

चे दिए गए उपसर्ग जोड़कर तीन-तीन शब्द बनाइए।

प्र			
अप			
वि			
ला			
उप			
निर्			

. नीचे दिए शब्दों में उपसर्ग जोड़कर शब्द बनाइए।

जय		भय	
योग		जन	
कर्म		गुण	
पुत्र		यश	

4. नीचे दिए शब्दों में अलग-अलग उपसर्ग जोड़कर शब्द बनाइए।

मान	अनुमान	अभिमान	अपमान	सम्मान	समान

फल .....

देश .....

योग .....

बल .....

हार .....

गुण .....

5. नीचे दिए शब्दों में 'इक' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए।

परिवार	भूत .....
उद्योग	वर्ष .....
विज्ञान	लोक .....
व्यवहार	इतिहास .....

6. नीचे दिए शब्दों में उपसर्ग, मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए।

सम्मानित .....

अवैज्ञानिक .....

परिश्रमी .....

निरर्थक .....

अनुपजाऊ .....

आरामदायक .....

7. सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) उपसर्ग मूल रूप से ..... होते हैं। (शब्द, पद, शब्दांश)

(ख) प्रत्यय ..... होते हैं। (सार्थक, निरर्थक, अर्थयुक्त)

(ग) 'बिकाऊ' शब्द में ..... प्रत्यय लगा है। (ऊ, अऊ, आऊ)

(घ) 'दुर्' उपसर्ग का प्रयोग किस अर्थ में होता है? (नहीं, बुरा, विशेष)

(ङ) पड़ोसिन शब्द में ..... प्रत्यय लगा है। (इन, न, सिन)

प्र2 उपसर्ग जोड़कर तीन-तीन शब्द

प्रचार	प्रयोग	प्रसार
अपमान	अपयश	अपहरण
विशेष	विकार	विनाश
लाजवाब	लाइलाज	लावारिस
उपग्रह	उपदेश	उपमंत्री
निर्बल	निर्धन	निर्जन

प्र3उ॰

उपसर्ग	शब्द	उपसर्ग	शब्द
परा	=> पराजय	नि	=> निर्णय
उप	=> उपयोग	नि	=> निर्जन
परा	=> पराक्रम	अव	=> अवगुण
सु	=> सुपुत्र	अप	=> अपयश

प्र4 विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

प्र5उ॰ 'इक' प्रत्यय जोड़कर शब्द

पारिवारिक	भौतिक
औद्योगिक	वार्षिक
वैज्ञानिक	लौकिक
व्यावहारिक	ऐतिहासिक

प्र6उ॰

उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
सम्	मान	इत
अ	विज्ञान	इक
परि	श्रम	ई
निर्	अर्थ	क
अन्	उपज	आऊ
आ	राम	दायक

प्र॰3उ॰ (क) शब्दांश

(ख) निरर्थक

(ग) आऊ

(घ) बुरा

(ड़) इन

प्यारे विद्यार्थियों हम हिन्दी व्याकरण के पाठ 1 से 4 तक पूरे कर चुके हैं। प्यारे बच्चों पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़कर अभ्यास समझकर कार्य पत्रिका स्वयं करें।

मेरा आप सबसे अनुरोध है कि आप अपनी पढ़ाई को अनदेखा ना करें।

घर पर रहें, स्वस्थ रहें

नॉर्थ एक्स पब्लिक स्कूल

(पाठ -4 उपसर्ग और प्रत्यय)

कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी

(2020-21 पत्रिका - 5)

प्र1 उपसर्ग और प्रत्यय में उदाहरण सहित अन्तर लिखिए। 4

प्र2 कृत प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय में अन्तर लिखिए। 3

प्र3 उपसर्गों से शब्द बनाइए। 5

उपसर्ग	—	शब्द		
अन	=>	____	____	____
अव	=>	____	____	____
परा	=>	____	____	____
स्व	=>	____	____	____
सु	=>	____	____	____

(प्रतिदिन एक पेज सुलेख लिखो)

प्र4 प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए। 5

प्रत्यय	—	शब्द	
वान	=>	____	____
आई	=>	____	____
आवट	=>	____	____
पन	=>	____	____
नी	=>	____	____

प्र5 निम्न शब्दों में मूल शब्द, प्रत्यय और उपसर्ग को अलग कीजिए 3

शब्द	=> मूल शब्द	=> उपसर्ग	=> प्रत्यय
सफलता =>	____	=> ____	=> ____
अभिमानी =>	____	=> ____	=> ____
परिश्रमी =>	____	=> ____	=> ____